मूल्यः एक रूपया

कामधेनु स्टील

इस्पात संदेश

Email: kamdhenu@kamdhenuispat.com, Website: www.kamdhenuispat.com, www.colourdreamz.com

www.facebook.com/kamdhenuispatlimited

आई एस ओ 9001–2000 सम्मानित कंपनी कामधेनु इस्पात लिमिटेड की गृह पत्रिका, वर्ष–13, अंक–6, अक्टूबर 2013

किसी भी तरह की व्यापारिक जानकारी हेतु टोल फ्री कामधेनु हेल्प लाइन – 1800 1800 545

कामधेनु SS 10000 पंजाब में पेश

निर्माण सेक्टर में भारत की अग्रणी कंपनियों में शामिल कामधेनु इस्पात लिमिटेड के उत्पाद उपभोक्ताओं के लिये गुणवत्ता और विश्वास का प्रतीक हैं। कंपनी का नवीनतम प्रीमियम उत्पाद **कामधेनु SS10000** आज भारत में अपनी तरह का एकमात्र उत्पाद है जिसमें है डबल रिब्स, डबल मजबूती और जो देती है डबल सुरक्षा।

बेहतरीन **कामधेनु SS10000** के निर्माण में अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर आधारित नवीनतम ब्रिटेन आधारित तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ब्रिटेन की नाइट्सब्रिज रिसोर्सेस लिमिटेड से प्राप्त तकनीक से उच्च गुणवत्ता वाले प्राइम बिलेट्स द्वारा निर्मित **कामधेनु SS10000** की मजबूती की परख भारत की एक बड़ी इंजीनियरिंग संस्था आई आई टी रूड़की ने भी की है। आई आई टी रूड़की द्वारा किये गये प्रयोगों में पाया गया कि **कामधेनु SS10000** कंक्रीट को साधारण सरियों के मुकाबले 254 प्रतिशत अधिक मजबूत पकड़ देने में सक्षम है।

ज़बरदस्त मजबूती के अतिरिक्त अनोखे सेस्मिक डिजायन वाले **कामधेनु SS10000** में भूकंप से मुकाबला करने की ज़बर्दस्त ताकत है, जिससे यह सुरक्षित निर्माण की गारंटी देता है। कामधेनु इस्पात लिमिटेड ने भूकंप संभावित क्षेत्र में आने वाले देश के संपन्न राज्य पंजाब में **कामधेनु SS10000** को बढ़ावा देने के लिए 6 अक्टूबर को डीलर्स मीट का आयोजन किया।

लुधियाना के होटल रेडिसन ब्लू में हुई इस बैठक में कामधेनु इस्पात लि0 के निदेशक, श्री सुनील अग्रवाल, सीनियर जी एम, श्री दिलीप मेहरा, जी एम (मार्केटिंग), श्री विनोद कुमार गहलौत, श्री राकेश मिसरी, ए जी एम (बी डी), श्री विवेक महेश्वरी, ए जी एम (बी पी), श्री अमित सोनी एवं श्री रमेश गोयल, निदेशक आर के इन्डस्ट्रीज, श्री विजय बंसल, निदेशक बंसल स्टील सहित कई अधिकारी शामिल हुये। डीलर मीट में उपस्थित 125 लोगों में पंजाब व हिमाचल प्रदेश के सभी डिस्ट्रीब्यूटर, डीलर और कामधेनु के स्थानीय अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान **कामधेनु SS10000** की मार्केटिंग व प्रचार की नीतियों पर चर्चा की गई। इस प्रीमियम उत्पाद के बारे में तकनीकी जानकारी देते हुये कामधेनु इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल ने **कामधेनु SS10000** की उच्चतम निर्माण तकनीक के बारे में बताया और कहा, "**कामधेनु SS10000** की कंक्रीट के साथ पकड़ की मजबूती आम सरियों के मुकाबले दो गुणा ज़्यादा है।"

बैठक में उपस्थित डीलरों को संबोधित करते हुये कंपनी के सीनियर जी एम श्री दिलीप मेहरा ने **कामधेनु SS10000** की विशेषताओं पर आधारित पीपीटी प्रस्तुत की एवं इसकी विशेषताओं के बारे में डीलरों को विस्तार से जानकारी दी।

सभी देशवासियों को कामधेनु परिवार की ओर से

दीवाली एवं छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाऐं

महाचक्रवात का सफलता से सामना

बंगाल की खाड़ी में उठे फाइलीन महाचक्रवात ने 200 किलोमीटर प्रतिघंटा की अधिक गति से उड़ीसा के गंजम जिले से टकरा कर आगे बढ़ विनाश की निशानियाँ छोड़ते हुए लाखों घरों और करीब सवा करोड़ की आबादी को प्रभावित किया है और करीब 2,400 करोड़ की फसल को तबाह कर दिया है। पर प्रभावित इलाकों में अनमोल ज़िंदगियों को बड़े नुकसान से बचाने में हम सफल रहे।

देश के हालिया समय के सबसे बड़े पैमाने पर लोगों को प्रभावित इलाकों से हटाने की मुहिम के चलते ही आपदा के शिकार बने लोगों की संख्या को इतना कम कर पाना संभव हो सका। उड़ीसा और आंध्र प्रदेश में तकरीबन 25 लोगो के मारे जाने की ख़बर है जिसमें से ज्यादातर मौतें दीवार या पेड़ गिरने से हुई है।

यहाँ यह बात याद रखने की है कि 1999 में लगभग इसी तीव्रता के महाचक्रवात ने करीब दस हज़ार जानों की बलि ले ली थी। उस आपदा के बाद विगत 13 वर्षों में भारत ने आपदा नियंत्रण के लिये तकनीकी और प्रशासनात्मक तैयारी पर ख़ासा ध्यान दिया है और इसका सुखद परिणाम हमें आज मिला है।

भारत के मौसम विभाग ने महाचक्रवात की क्षमता, गति और दिशा की एकदम सटीक भविष्यवाणी करते हुए खुद को कई विदेशी एजेंसियों से भी बेहतर साबित किया। इस सटीक भविष्यवाणी के कारण आपदा नियंत्रण विभाग, सरकारी अमला और आम लोग सही समय पर इस तबाही का सामना करने की तैयारी कर सकने में सफल रहे।

यूँ तो महाचक्रवात का क़हर थम चुका है पर देश के कई राज्यों में बाढ़, जलभराव, अत्यधिक बारिश और घर तथा फसल के नुकसान से करोड़ों लोगों पर मुसीबत आ पड़ी है। लाखों लोग विस्थापन शिविरों में रहने को मज़बूर हो गये हैं। अगर पुनर्वास, राहत वितरण और मुआवज़ा देने में भी सरकार तत्परता और तैयारी दिखा पाती है तभी आपदा से बचाव में प्रशासन को मिली सफलता सही मायनों में सराहनीय हो पायेगी ।

सचिन तेंदुलकर ले रहे हैं सन्यास

भारत ही नहीं दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को मायूस करते हुए महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर के 200 वें टेस्ट मैच के बाद सन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 14–18 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े मैदान में वेस्ट इंडीज के ख़िलाफ खेला जाने वाला मैच क्रिकेट की दुनिया का एक चिरस्थाई मील का पत्थर बन जाने वाला है।

उससे पूर्व सचिन अपना 199वाँ टेस्ट मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में 6 से 10 नवंबर को खेलेंगे। 24 साल के अनूठे और अतुलनीय बल्लेबाजी के बाद भी अपने आखिरी दो मैचों के पहले रणजी मैच में खेलते हुए अपने को मैचफिट रखने का सचिन का फैसला दर्शाता है कि आज भी वो क्रिकेट के लिये कितने समर्पित हैं।

दरअसल सचिन ने खेल जगत को जितना अपनी क्षमता से समृद्ध किया है उतना ही योगदान उन्होंने खिलाड़ियों व युवाओं के एक रोल मॉडल के रूप में दिया है। सफलता के बावजूद संतुलन, फोकस, अनुशासन और विनम्रता की जो मिसाल सचिन ने रखी है वह लंबे समय तक खिलाड़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

क्रिकेट की दुनियाँ के रिकार्डों को अपनी बल्लेबाजी से बौना साबित कर नया इतिहास रचने वाले सचिन ने कभी अपने को क्रिकेट से बड़ा नहीं समझा। अपने देश के लिये खेलने को वह सबसे बड़ा सम्मान समझते हैं और उनके लिये गर्व का सबसे बड़ा क्षण अपने द्वारा बनाया गया कोई रिकॉर्ड नहीं वर्ल्ड कप में भारत की जीत है।

100 शतको के असंभव लगने वाले शिखर पर खड़े तेन्दुलकर आज अपनी टीम और प्रशंसकों को जाते–जाते चंद और यादगार पारियों का तोहफा देने की तैयारी में हैं। वहीं दुनिया भर के खेल–प्रेमी उनके सन्यास की खबर से भावुक हैं।

कामधेनु के लिये गर्व का अवसर

बिहार में लाइसेंस यूजर एग्रीमेंट के तहत कामधेनु टीएमटी का निर्माण करने वाली कम्पनी, दादीजी स्टील्स लि0 के प्रोमोटर श्री रमेश चन्द्र गुप्ता ने सफलता की ऊँचाइयॉं अपने बलबूते पर पाई है। 1980 ई0 में मात्र 25000 रू0 की सालाना आय से शुरूआत करते हुये समय के साथ 250 करोड़ रूपये की सम्मिलित वार्षिक टर्नओवर वाली सफल कंपनियों की नींव रखना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। यह एक गाथा है लगनशीलता, कड़ी मेहनत और उच्च स्तरीय आत्मविश्वास की।

बिहार के विकास में श्री रमेश चन्द्र गुप्ता के योगदान की सराहना करते हुये राज्य की ओर से उन्हें 8वें एचिवर्स बिहार पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार समारोह का आयोजन 22 सितंबर को पटना के होटल पाटलिपुत्रा में किया गया। राज्य के मुख्यमंत्री श्री नीतिश कुमार और शिक्षा मंत्री, बिहार सरकार, श्री पी के साही समारोह के मुख्य अतिथि रहे। समारोह के दौरान 200 से अधिक विशिष्ट अतिथिगणों की उपस्थिति में बिहार के सपूतों को विभिन्न क्षेत्रों में उनके द्वारा किये गये उल्लेखनीय योगदान तथा मानवमात्र की सेवा के लिये पुरस्कृत किया गया। श्री रमेश चन्द्र गुप्ता ने ट्रेड उद्योग की श्रेणी के अंतर्गत अपनी उपलब्धियों के लिये पुरस्कार ग्रहण किया।

पुरस्कार ग्रहण करने के अवसर पर श्री रमेश चन्द्र गुप्ता ने बिहार को अपना वास्तविक घर और कर्मभूमि बताया। उन्होंने अपनी यादों को श्रोताओं के साथ बाँटते हुये कहा, "मै सिर्फ 15 वर्ष का था जब मैं काम की तलाश में राजस्थान से पटना आ गया। यहाँ पटना में मैंने अपनी पहचान पाई, अपना मकसद पाया। यही वह धरती है जहाँ मेरे सपनों को पंख मिले और तब से मैंने उड़ना शुरू कर दिया और कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा।"

सफलता और उपलब्धियों से भरे इस उल्लेखनीय यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण मील का पत्थर 1997 में दादीजी स्टील्स लि0 की स्थापना रहा। दादीजी स्टील्स लि0 लाइसेंस यूजर एग्रीमेंट के तहत कामधेनु ब्रांड के अंतर्गत टी एम टी सरिया बनाती है और आज यह इतनी बड़ी निर्माता है जिसकी उत्पादन क्षमता से समूचे बिहार के अतिरिक्त पूर्वी उत्तर प्रदेश और कई उत्तर–पूर्वी राज्यों को आपूर्ति मिलती है।

श्री रमेश चन्द्र गुप्ता लाखों लोगों के लिये प्रेरणा हैं। उनको प्रदान किया गया एचिवर्स बिहार पुरस्कार, उनके प्रति राज्य की हार्दिक कृतज्ञता और सराहना का सच्चा प्रतीक है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक कामधेनु इस्पात लि0 ने उद्यमिता और उपलब्धियों की कई सफल कहानियों को सच करने में अपनी भूमिका निभाई है। श्री रमेश चन्द्र गुप्ता को मिले इस पुरस्कार की कंपनी अपने मुल्यवान पार्टनर के प्रति गर्व की भावना रखते हुये सराहना करती है।

बेस्ट सपोर्टिंग डीलर ऑफ द मंथ

मैसर्स अमर हार्डवेयर स्टोर
कैलाश रोड,
ब्रहमदेव मंदिर के पीछे
वलसाद–396001
मो. – 09824138561, 09824120373

श्री अमित गोयल
मैसर्स गोयल आयरन स्टोर
कुलाना रोड, हैली मंडी,
गुड़गाँव, हरियाणा
मो. – 09416214086, 09354768998

श्री मनोहर
मैसर्स नन्दी स्टील हाउस
2706/2, इन्द्रछाया अपार्टमेन्ट
केशवपुरी, हुबली,
कर्नाटक
मो. – 09448113733

RNI. No.: DELHIN/2000/4124, Postal Regn. No. DL (E)-01/5006/2012-14
Production Date: 26.10.2013

पटना में डीलर मीट

देश की दिग्गज इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर कंपनी कामधेनु इस्पात लि0 ने बिहार की राजधानी पटना में एक बड़े डीलर मीट का आयोजन किया। कामधेनु के स्थानीय डिस्ट्रीब्यूटर मेसर्स राधिका इंटरप्राइजेज के बैनर तले आयोजित इस डीलर मीट में पटना, भागलपुर, बेगूसराय एवं खगड़िया–महेशकोट के तकरीबन 125 डीलर शामिल हुए।

बैठक में बिहार में लाइसेंस यूजर एग्रीमेंट के तहत कामधेनु टीएमटी का निर्माण करने वाली कम्पनी, दादीजी स्टील्स के निदेशक श्री रमेश चन्द्र गुप्ता व श्री बिनय सिंह उपस्थित रहे। कामधेनु इस्पात लि0 के जेनरल मैनेजर श्री वाई आर पंडिता ने बैठक में कंपनी का प्रतिनिधित्व किया। श्री बासुदेव सर्राफ, डिस्ट्रीब्यूटर की बैठक के सफल आयोजन में बड़ी भूमिका रही।

डीलर मीट के दौरान पुरस्कारों का वितरण किया गया। कुछ विशेष श्रेणियों जैसे सर्वश्रेष्ठ पे–मास्टर तथा युवा एचिवर डीलर के लिये भी ईनाम वितरित हुये, जो महेशकोट और खगड़िया के डीलरों को दिये गये।

गुजरात में जागरूकता कार्यक्रम

भारत की अग्रणी इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर कंपनी कामधेनु इस्पात लि0 ने गुजरात के कच्छ और सौराष्ट्र क्षेत्रों में ठेकेदारों और राजमिस्त्रियों के साथ एक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

4 अक्टूबर को सुंदरनगर ज़िले में आयोजित इस कार्यक्रम में कच्छ और सौराष्ट्र के डिस्ट्रीब्यूटर श्री राकेश पटेल, घ्रांगधरा के डीलर श्री अश्विनभाई पटेल एवं सुंदरनगर के डीलर श्री मनुभाई के साथ ईलाके के लगभग 250 ठेकेदारों और राजमिस्त्रियों की उत्साहजनक भागीदारी रही। कंपनी की ओर से सीनियर मैनेजर (मार्केटिंग), श्री कुंदन कुमार सिंह तथा सीनियर एक्सिक्यूटिव (मार्केटिंग), श्री जितेन्द्र सिंह बिष्ट इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। अधिकारियों ने उपस्थित ठेकेदारों और राजमिस्त्रियों को कंपनी से जुड़ी जानकारी दी और कामधेनु उत्पादों की बेमिसाल गुणवत्ता के बारे में बताया। क्षेत्र के डीलरों की तारीफ करते हुए श्री कुंदन सिंह ने कहा कि डीलर अच्छा काम कर रहे हैं और थोड़े ही समय में उन्होंने काफी कामयाबी पा ली है। अगर वे इसी तरह लगन से काम करते रहे तो हम और भी नई ऊँचाइयाँ पा सकते हैं।

उपस्थित ठेकेदारों और राजमिस्त्रियों ने कार्यक्रम के दौरान कामधेनु उत्पादों के निर्माण तकनीक और उनकी गुणवत्ता से जुड़े कई सवाल किये जिनका अधिकारियों ने अच्छी तरह समझा कर उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को बहुत ही उपयोगी बताया और भविष्य में बेहतर निर्माण के लिये कामधेनु उत्पाद ही अपनाने की इच्छा जताई।

Printed at Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi-110 092

Owned by KIL, L-311, Street No. 7, Mahipalpur Ext., New Delhi - 110037, Ph. 65493417, Published, Printed and Edited by Prashant Kumar, News Communications, 106-Sadbhawana, 13 I.P. Extn., Delhi 110092 and published from News Communications, 106-Sadbhawana, 13 I.P. Extn., Delhi - 110092. Tel: 011- 22726433, Fax: 011-22728450, Email: news1@vsnl.com